Jaisalmer: From the Golden City to a Global Tourism Destination

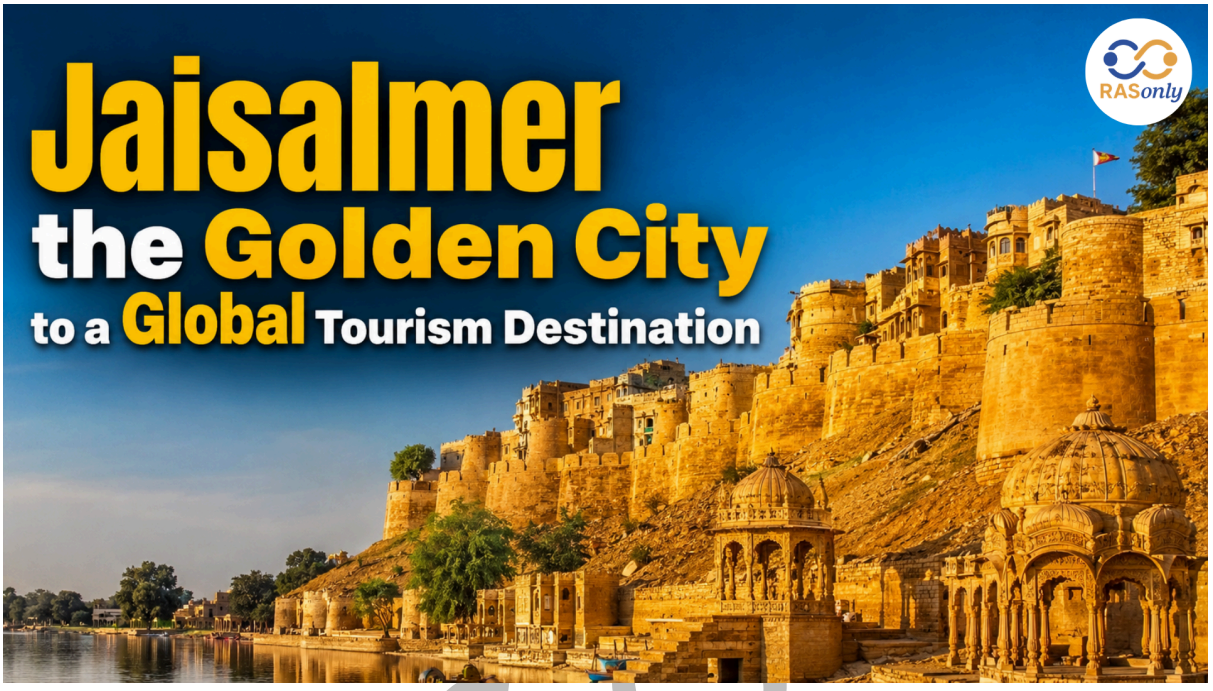

Jaisalmer, popularly known as the "Golden City of Rajasthan," has undergone a remarkable transformation over the past four decades. The city is located in the middle of the Thar Desert, which used to be a place with weak infrastructure and basic facilities. Today, it is one of the most significant tourist attractions in Rajasthan, which is visited by both Indians and foreigners.

Key Highlights

Key Point	Details
Location	Thar Desert, Rajasthan
Popular Name	Golden City of Rajasthan
Tourism Expansion	Began prominently in the 1980s
Tourist Bungalow	Established by RTDC; now Moomal Hotel
Hotels in 1982	10
Hotels in 2001	121
Hotels Today	More than 400

RASonly

Annual Tourist Footfall	Around 15 lakh
Resorts in Sam	Around 200
Direct Employment	Around 50,000 people
Major Tourism Activities	Camel Safari and Desert Tourism
Civil Airport Cost	Around ₹100 crore
Major Connectivity	Rail, Road and Air

Tourism Transformed Jaisalmer

The development of tourism in Jaisalmer started getting momentum from the eighties onwards. The local Tourist Bungalow, which was established by the Rajasthan Tourism Development Corporation (RTDC) and is now known as Moomal Hotel, became an important milestone in the city's tourism journey.

One area of special importance has been the development of the hotel sector. Jaisalmer had only 10 hotels in 1982, which increased to 29 in 1986, 35 in 1989, 68 in 1993, 83 in 1995, 94 in 1999 and 121 in 2001. There are now more than 400 hotels.

Growth of Desert Tourism

The expansion of tourism has also encouraged the growth of restaurants, travel agencies, handicraft shops and other tourism-related businesses. Today the Sam Sand Dunes are a big tourist draw and there are approximately 200 resorts in the region. Camel safaris are also an integral part of the Jaisalmer tour package.

The city receives approximately 15 lakh tourists every year. This has helped to create direct jobs with 50,000 people involved in handicraft and traditional goods shops, which has helped the local economy.

Better Connectivity and Infrastructure

Jaisalmer has witnessed major improvements in roads, railways, transportation and air connectivity. It is now directly linked by rail to some important cities like Jaipur, Delhi, Mumbai and Kathgodam. The construction of a civil airport, which cost approximately ₹100 crore, has made it easier to connect with the place and regular air connectivity is available for a major part of the tourism season.

RASonly

Conclusion

Jaisalmer's transformation from a city struggling with basic facilities into a modern tourism hub highlights the important role of tourism, infrastructure and connectivity in regional development. Golden sandstone buildings, deserts, Sam Sand Dunes, camel safaris, handicrafts and heritage sites have made Jaisalmer a famous tourist hotspot in Rajasthan and India.

MCQs

1. When did tourism development in Jaisalmer begin gaining significant momentum?
A. 1960s
B. 1970s
C. 1980s
D. 2000s
Answer: C. 1980s

2. How many hotels were there in Jaisalmer in 1982?
A. 10
B. 29
C. 35
D. 68
Answer: A. 10

3. Approximately how many tourists visit Jaisalmer every year?
A. 5 lakh
B. 10 lakh
C. 15 lakh
D. 20 lakh
Answer: C. 15 lakh

जैसलमेर: स्वर्ण नगरी से वैश्विक पर्यटन गंतव्य तक

जैसलमेर, जिसे लोकप्रिय रूप से "राजस्थान की स्वर्ण नगरी" कहा जाता है, ने पिछले चार दशकों में उल्लेखनीय परिवर्तन देखा है। यह शहर थार मरुस्थल के मध्य स्थित है, जो कभी कमजोर बुनियादी ढाँचे और सीमित सुविधाओं वाला क्षेत्र था। आज यह राजस्थान के सबसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों में से एक है, जहाँ देश-विदेश से पर्यटक आते हैं।

प्रमुख विशेषताएँ

प्रमुख बिंदु	विवरण

RASonly

स्थान	थार मरुस्थल, राजस्थान
लोकप्रिय नाम	राजस्थान की स्वर्ण नगरी
पर्यटन विस्तार	1980 के दशक में प्रमुख रूप से शुरू
पर्यटक बंगला	RTDC द्वारा स्थापित; अब मूमल होटल
1982 में होटल	10
2001 में होटल	121
वर्तमान में होटल	400 से अधिक
वार्षिक पर्यटक आगमन	लगभग 15 लाख
सम में रिसॉर्ट	लगभग 200
प्रत्यक्ष रोजगार	लगभग 50,000 लोग
प्रमुख पर्यटन गतिविधियाँ	ऊंट सफारी और रेगिस्तानी पर्यटन
सिविल एयरपोर्ट की लागत	लगभग ₹100 करोड़
प्रमुख कनेक्टिविटी	रेल, सड़क और हवाई

RASonly

पर्यटन ने बदली जैसलमेर की तस्वीर

जैसलमेर में पर्यटन का विकास अस्सी के दशक से गति पकड़ने लगा। राजस्थान पर्यटन विकास निगम (RTDC) द्वारा स्थापित स्थानीय टूरिस्ट बंगला, जिसे अब मूमल होटल के नाम से जाना जाता है, शहर की पर्यटन यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बना।

विशेष महत्व का एक क्षेत्र होटल क्षेत्र का विकास रहा है। जैसलमेर में 1982 में केवल 10 होटल थे, जो 1986 में बढ़कर 29, 1989 में 35, 1993 में 68, 1995 में 83, 1999 में 94 और 2001 में 121 हो गए। वर्तमान में यह संख्या 400 से अधिक हो चुकी है।

रेगिस्तानी पर्यटन का विकास

पर्यटन के विस्तार ने रेस्टोरेंट, ट्रैवल एजेंसियों, हस्तशिल्प की दुकानों और अन्य पर्यटन संबंधी व्यवसायों के विकास को भी बढ़ावा दिया है। आज सम सैंड ड्यून्स एक प्रमुख पर्यटन आकर्षण हैं और इस क्षेत्र में लगभग 200 रिसॉर्ट संचालित हो रहे हैं। ऊंट सफारी भी जैसलमेर के पर्यटन पैकेज का एक अभिन्न हिस्सा है।

शहर में हर वर्ष लगभग 15 लाख पर्यटक आते हैं। इससे प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी पैदा हुए हैं और लगभग 50,000 लोग हस्तशिल्प तथा पारंपरिक वस्तुओं की दुकानों से जुड़े हुए हैं, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है।

बेहतर कनेक्टिविटी और बुनियादी ढाँचा

जैसलमेर में सड़क, रेलवे, परिवहन और हवाई कनेक्टिविटी में बड़े सुधार हुए हैं। यह अब जयपुर, दिल्ली, मुंबई और काठगोदाम जैसे महत्वपूर्ण शहरों से रेल द्वारा सीधे जुड़ा हुआ है। लगभग ₹100 करोड़ की लागत से बने सिविल एयरपोर्ट ने यहाँ कनेक्टिविटी को आसान बनाया है और पर्यटन सीजन के एक बड़े हिस्से में नियमित हवाई सेवा उपलब्ध रहती है।

निष्कर्ष

जैसलमेर का बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करने वाले शहर से एक आधुनिक पर्यटन केंद्र में परिवर्तन क्षेत्रीय विकास में पर्यटन, बुनियादी ढाँचे और कनेक्टिविटी की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। सुनहरी बलुआ पत्थर की इमारतों, रेगिस्तान, सम सैंड ड्यून्स, ऊंट सफारी, हस्तशिल्प और विरासत स्थलों ने जैसलमेर को राजस्थान और भारत का एक प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बना दिया है।

MCQs

1. जैसलमेर में पर्यटन विकास ने कब महत्वपूर्ण गति पकड़नी शुरू की**?**
A. 1960 का दशक
B. 1970 का दशक
C. 1980 का दशक
D. 2000 का दशक
उत्तर**: C. 1980** का दशक

2. 1982 में जैसलमेर में कितने होटल थे**?**
A. 10
B. 29

RASonly

C. 35
D. 68
उत्तर: **A. 10**

3. हर वर्ष लगभग कितने पर्यटक जैसलमेर आते हैं?
A. 5 लाख
B. 10 लाख
C. 15 लाख
D. 20 लाख
उत्तर: **C. 15** लाख

India's First High-Speed Trial Track in Rajasthan

A ₹820 crore high-speed trial track is being developed near Sambhar Lake in Nagaur, Rajasthan. The 63.56-km track will allow trains to be tested at speeds of up to 230 km/h, focusing on safety, stability, track performance, signalling and modern railway technologies. The initial phase of trials should start by December, 2026.

Key Highlights

Feature	Details
Location	Nagaur, Rajasthan
Cost	₹820 crore
Length	63.56 km
Maximum Speed	230 km/h

Main Testing Line	23 km
High-Speed Loop	13 km
Curve Testing Loop	20 km
Accelerated Testing Loop	3 km
Bridges	7 major + 129 minor
New Stations	4
Expected Trials	December 2026

Why Is It Important?

- High-Speed Testing: Enables testing of trains at speeds up to 230 km/h.
- Safety & Technology: Tests signalling, track stability, train dynamics and accident-prevention systems.
- Future-Ready Railways: Supports the development and validation of advanced railway technologies in India.
- Strategic Importance: Offers a test area for new trains and railway systems prior to their widespread use.

RAS Exam Perspective

This project is important for Rajasthan-related Current Affairs, Infrastructure and Transport topics. The aspirants must note the following points: It is located near Sambhar Lake, Nagaur; the investment is at ₹820 crore; the expected length is 63.56 km; the testing speed is 230 km/h; and it is expected to be tested by December 2026. It reflects India's efforts towards high-speed rail technology, railway safety and modern transport infrastructure.

Conclusion

The Rajasthan high-speed trial track is a major step towards modernising Indian Railways. It can enhance indigenous railway technology, make railway working safer, and help to develop faster and more efficient trains.

MCQs

1. Where is the high-speed trial track being developed?
A. Jaipur
B. Nagaur
C. Kota
D. Jodhpur

Answer: B. Nagaur

RASonly

2. What is the maximum testing speed?
A. 180 km/h
B. 200 km/h
C. 230 km/h
D. 250 km/h

Answer: C. 230 km/h

3. What is the track's total length?
A. 53.56 km
B. 63.56 km
C. 73.56 km
D. 83.56 km

Answer: B. 63.56 km

4. How many new stations are included?
A. 2
B. 3
C. 4
D. 5

Answer: C. 4

राजस्थान में देश का पहला हाई-स्पीड ट्रायल ट्रैक

राजस्थान के नागौर जिले में सांभर झील के पास ₹820 करोड़ की लागत से देश का पहला हाई-स्पीड ट्रायल ट्रैक विकसित किया जा रहा है। 63.56 किमी लंबे इस ट्रैक पर ट्रेनों को अधिकतम 230 किमी/घंटे की रफ्तार से चलाकर सुरक्षा, स्थिरता, ट्रैक प्रदर्शन, सिग्नलिंग और आधुनिक रेलवे तकनीकों का परीक्षण किया जाएगा। ट्रायल संचालन दिसंबर 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है।

प्रमुख विशेषताएँ

विशेषता	विवरण
स्थान	नागौर, राजस्थान
लागत	₹820 करोड़
लंबाई	63.56 किमी
अधिकतम गति	230 किमी/घंटा
मुख्य परीक्षण लाइन	23 किमी

RASonly

हाई-स्पीड लूप	13 किमी
कर्व टेस्टिंग लूप	20 किमी
त्वरित परीक्षण लूप	3 किमी
पुल	7 बड़े + 129 छोटे
नए स्टेशन	4
संभावित ट्रायल	दिसंबर 2026

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

- हाई-स्पीड परीक्षण: ट्रेनों को 230 किमी/घंटे तक की गति पर परखा जा सकेगा।
- सुरक्षा एवं तकनीक: सिग्नलिंग, ट्रैक स्थिरता, ट्रेन डायनेमिक्स और दुर्घटना-रोकथाम प्रणालियों का परीक्षण होगा।
- भविष्य की रेलवे: भारत में उन्नत रेलवे तकनीकों के विकास और परीक्षण को बढ़ावा मिलेगा।
- रणनीतिक महत्व: नई ट्रेनों और रेलवे प्रणालियों को बड़े पैमाने पर उपयोग में लाने से पहले उनका परीक्षण किया जा सकेगा।

RAS परीक्षा के दृष्टिकोण से

यह परियोजना राजस्थान से संबंधित समसामयिक घटनाक्रम, बुनियादी ढाँचा और परिवहन के लिए महत्वपूर्ण है। अभ्यर्थियों को इसके प्रमुख तथ्य याद रखने चाहिए—सांभर झील के पास नागौर में स्थिति, ₹820 करोड़ की लागत, 63.56 किमी लंबाई, 230 किमी/घंटे की परीक्षण गति और दिसंबर 2026 में संभावित ट्रायल। यह भारत में हाई-स्पीड रेल तकनीक, रेलवे सुरक्षा और आधुनिक परिवहन अवसंरचना की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

निष्कर्ष

राजस्थान का यह हाई-स्पीड ट्रायल ट्रैक भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे स्वदेशी रेलवे तकनीक को मजबूती, सुरक्षा मानकों में सुधार और तेज एवं अधिक कुशल ट्रेनों के विकास को बढ़ावा मिल सकता है।

MCQs

1. हाई-स्पीड ट्रायल ट्रैक कहाँ विकसित किया जा रहा है**?**
A. जयपुर
B. नागौर
C. कोटा
D. जोधपुर

उत्तर**: B.** नागौर

RASonly

2. ट्रेनों की अधिकतम परीक्षण गति कितनी होगी?
A. 180 किमी/घंटा
B. 200 किमी/घंटा
C. 230 किमी/घंटा
D. 250 किमी/घंटा

उत्तर: **C. 230** किमी/घंटा

3. ट्रायल ट्रैक की कुल लंबाई कितनी है?
A. 53.56 किमी
B. 63.56 किमी
C. 73.56 किमी
D. 83.56 किमी

उत्तर: **B. 63.56** किमी

4. परियोजना में कितने नए स्टेशन शामिल हैं?
A. 2
B. 3
C. 4
D. 5

उत्तर: **C. 4**

RASonly